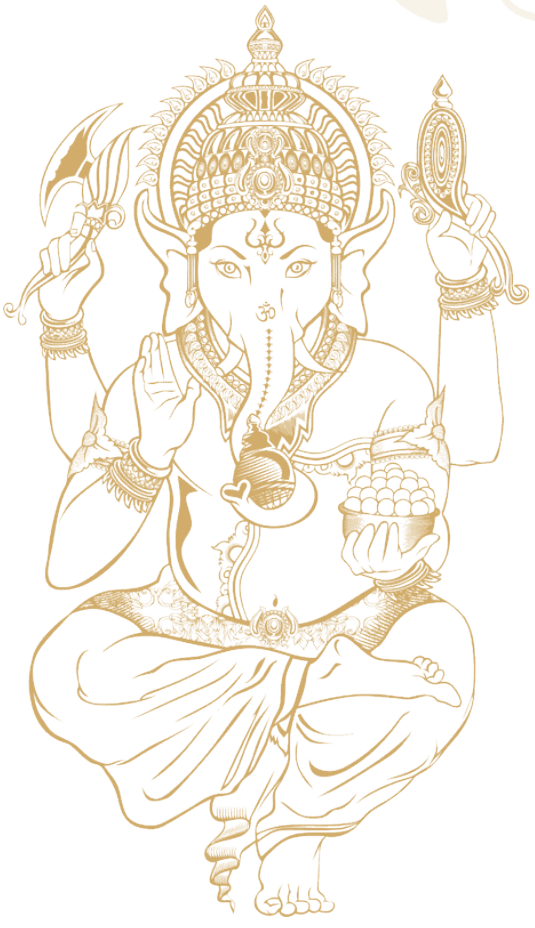

Shekher Sharma

Anchal Sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121135901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121135901 Date: 01/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/06/1988	जन्म तिथि	08/03/1988
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 22:02:00	जन्म समय	12:15:00 घंटे
घटी 41:45:52	जन्म समय(घटी)	13:53:34 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Kangra
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:39	सूर्योदय	06:44:12
19:24:44	सूर्यास्त	18:27:41
23:41:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:33

मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	तुला
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
रेवती	नक्षत्र	स्वाति
बुध	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
सौभाग्य	योग	व्याघात
बव	करण	कौलव
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मृग

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 4वर्ष 0मा 9दि		04:22:41	मक		लग्न	मिथु	05:49:20	राहु 5वर्ष 7मा 1दि	
चन्द्र		25:20:27	वृष		सूर्य	कुंभ	24:13:27	शनि	
19/06/2025		26:50:34	मीन		चंद्र	तुला	15:51:43	08/10/2009	
20/06/2035		17:45:00	कुंभ		मंगल	धनु	16:19:27	08/10/2028	
चन्द्र	19/04/2026	00:33:42	मिथु	व	बुध	मक	26:52:00	शनि	11/10/2012
मंगल	18/11/2026	27:47:39	मेष		गुरु	मेष	06:13:46	बुध	21/06/2015
राहु	19/05/2028	00:33:23	मिथु	व	शुक्र	मेष	08:22:44	केतु	30/07/2016
गुरु	18/09/2029	06:20:32	धनु	व	शनि	धनु	07:55:52	शुक्र	30/09/2019
शनि	20/04/2031	25:04:08	कुंभ	व	राहु	कुंभ	29:23:10	सूर्य	11/09/2020
बुध	18/09/2032	25:04:08	सिंह	व	केतु	सिंह	29:23:10	चन्द्र	12/04/2022
केतु	19/04/2033	05:47:02	धनु	व	हर्ष	धनु	07:01:36	मंगल	22/05/2023
शुक्र	19/12/2034	15:39:40	धनु	व	नेप	धनु	16:10:44	राहु	28/03/2026
सूर्य	20/06/2035	16:29:46	तुला	व	प्लूटो	व तुला	18:44:30	गुरु	08/10/2028

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:41:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:41:33

लग्न-चलित

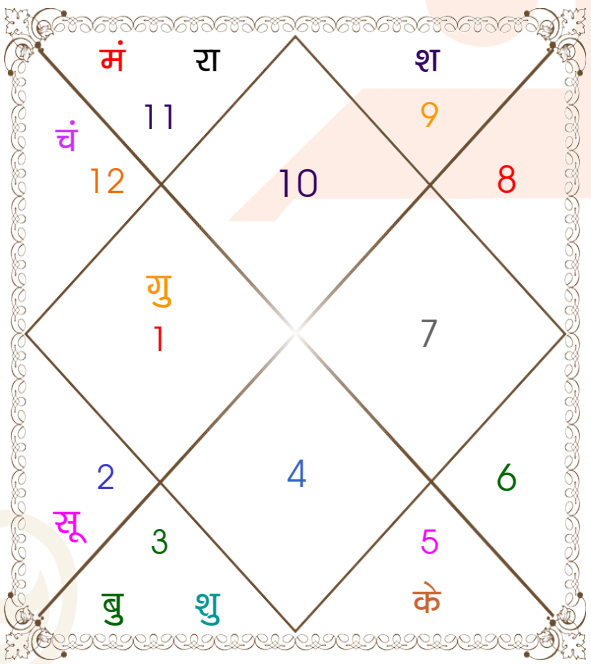

लग्न-चलित

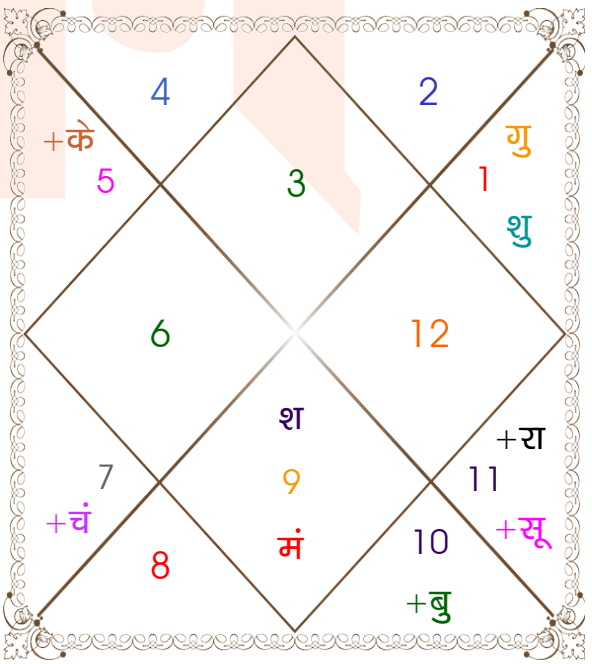

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

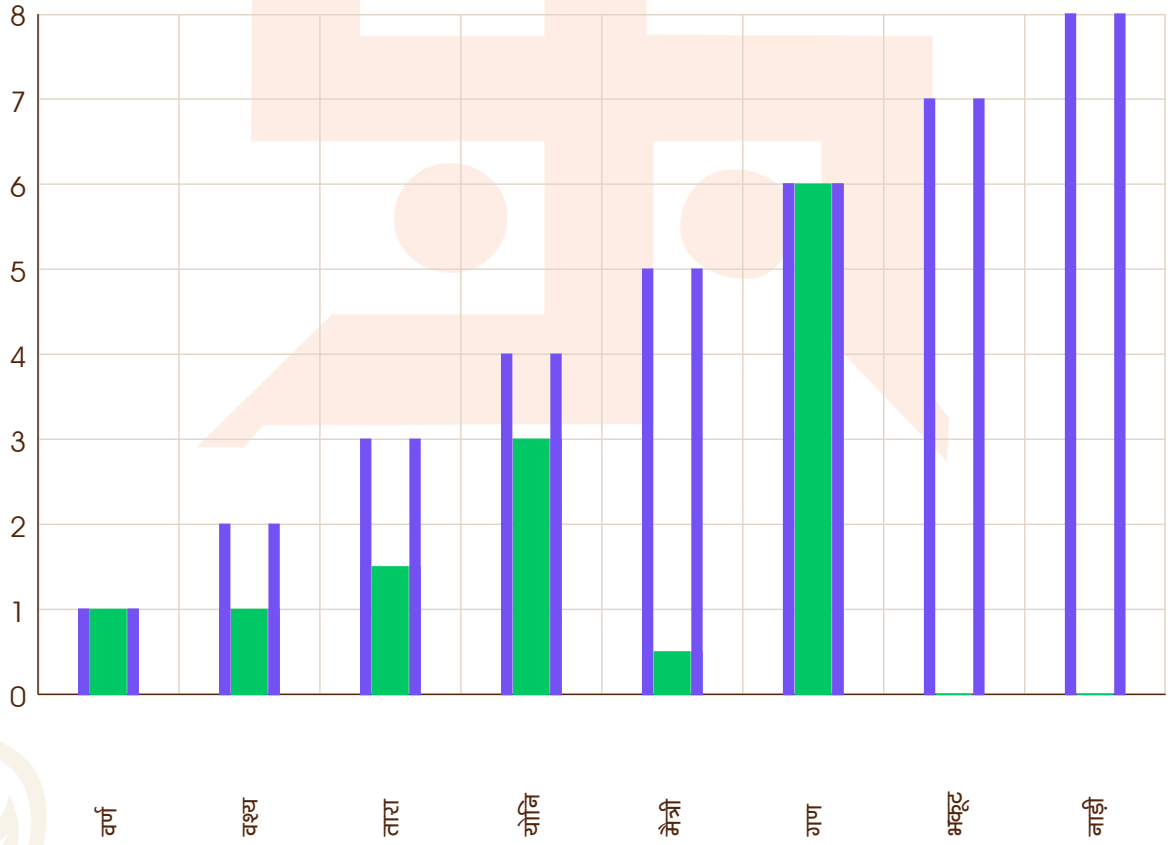

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ौमीमतौंतउं का नक्षत्र रेवती है।

ौमीमतौंतउं का वर्ग सिंह है तथा ।दबींसौंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौमीमतौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

।दबींसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ।दबींसौंतउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौमीमतौंतउं तथा ।दबींसौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौमीमतौंतउं का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दबींसौंतउं का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ।दबींसौंतउं सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। ।दबींस ौंतउं एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

ौमीमतौंतउं का वश्य जलचर है एवं ।दबींसौंतउं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में ।दबींसौंतउं अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि ौमीमतौंतउं उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

ौमीमतौंतउं की तारा क्षेम तथा ।दबींसौंतउं की तारा वध है। ।दबींसौंतउं की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह ौमीमतौंतउं एवं ।दबींसौंतउं दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। ।दबींसौंतउं अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

ौमीमतौंतउं की योनि गज है तथा ।दबींसौंतउं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौमीमतौतउं का राशि स्वामी ।दबींसौतउं के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि ।दबींसौतउं का राशि स्वामी ौमीमतौतउं के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ौमीमतौतउं का गण देव तथा ।दबींसौतउं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

ौमीमतौतउं से ।दबींसौतउं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा ।दबींसौतउं से ौमीमतौतउं की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। ौमीमतौतउं एवं ।दबींस ौतउं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। ौमीमतौतउं शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर ।दबींसौतउं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

ौमीमतौतउं की नाड़ी अन्त्य है तथा ।दबींसौतउं की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ौमीमतौतउं एवं ।दबींसौतउं की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण

शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ौमीमतौंतउं की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ।दबींसौंतउं की राशि वायु तत्व युक्त तुला है। जल एवं वायु तत्व के प्रभाव से इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं होगा।

ौमीमतौंतउं की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा ।दबींसौंतउं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम एवं शत्रु राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा। एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग भी अल्प ही होगा जिससे वैवाहिक जीवन में सुख शांति की अल्पता रहेगी। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे तथा सदगुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः ऐसी प्रवृतियों की इनको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

ौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इनके प्रभाव से उपरोक्त प्रभावों में और भी वृद्धि होगी जिससे संबंधों में अविश्वास तथा स्वार्थ का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम तथा सदभावना में न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दूसरे से श्रेष्ठ समझने की भी प्रवृति विद्य मान रहेगी। अतः सोच समझकर आपस में कार्य कलाप करने चाहिए।

ौमीमतौंतउं का वश्य जलचर तथा ।दबींसौंतउं का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारणौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानता होगी। जिससे दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

ौमीमतौंतउं का वर्ण ब्राह्मण तथा ।दबींसौंतउं का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। ।दबींसौंतउं की प्रवृति धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यो में रहेगी जबकि ।दबींसौंतउं की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की होगी। अतः यदा कदा मतभेदों की भी संभावना रहेगी।

धन

ौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ हीौमीमतौंतउं के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिएौमीमतौंतउं को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।दबींसौंतउं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।दबींसौंतउं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।दबींसौंतउं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारौमीमतौंतउं और ।दबींसौंतउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।दबींसौंतउं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ।दबींसौंतउं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो

सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ।दबींसौंतउं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ।दबींसौंतउं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ।दबींसौंतउं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ौमीमतौंतउं की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय परौमीमतौंतउं सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिनौमीमतौंतउं ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों कौमीमतौंतउं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।